नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर और भारत कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई), गुडगांव के मध्य सहयोगो कार्यवाही का कियान्वयन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और कृषि कौशल परिषद, भारत के बीच समझौता ज्ञापन एवं नानाजी देशमुख पशु विज्ञान विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई) का संबद्धता। कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई.) नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान वि. वि. जबलपुर (म.प्र.) में दल का गठन किया गया, जिसमें डॉ अनिल कुमार गौर, नोडल अधिकारी/सह. प्राध्यापक, डॉ. रुचि सिंह, समन्वयक सहायक प्राध्यापक, विस्तार शिक्षा विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.), डॉ सुमन संत, समन्वयक, सहायक प्राध्यापक, विस्तार शिक्षा विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, महू (म.प्र.) एवं डॉ. हरि आर, समन्वयक सहायक प्राध्यापक, विस्तार शिक्षा विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.) को शामिल किया गया है। परास्नातक प्रशिक्षकों को दिनांक 10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2017 के मध्य जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ, परिणाम शत प्रतिशत सफल रहा। नौकरी की भूमिका (योजना के लिए वैध योग्यता पैक के अनुसार): निम्नलिखित 22 नौकरी भूमिकाएं कृषि काशैल परिषद द्वारा नानाजी देशमुख चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के लिए मान्यता प्राप्त हैं । नौकरी भूमिका के अंर्तगत प्रशिक्षण के विषय निम्मानुसार हैः– डेयरी किसान/उद्यमीः डेयरी वर्करः डेयरी फार्म पर्यवेक्षक, बकरी किसान पशु स्वास्थ्य कर्मचारी, कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन, पशु चिकित्सा क्लिनिकल, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक कुक्कुट फीड, खाद्य सुरक्षा और लेबलिंग पर्यवेक्षक पोल्ट्री ब्रायलर फार्म वर्कर परत फार्म वर्कर ब्रायलर फार्म पर्यवेक्षक कुक्कुट फार्म प्रबंधक, मत्स्यपालन विस्तार सहयोगी, एक्वाकल्चर फैब्रिकेटर, मछली बीज उत्पादक, सजावटी मछली तकनीशियन, हैचररी (मत्स्यपालन) उत्पादन कार्यकर्ता, पर्ल संस्कृति तकनीशियन, एक्वाकल्चर तकनीशियन एवं ताजा पानी जलीय कृषि किसान। इन विषयों पर नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंर्तगत पशुचिकित्सा एवं पशुनालन महाविद्यालय, जबलपुर के 10, महू के 01 एवं 02 रीवा के विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा 3 दिनों और 200 घंटे के अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संचालन क लिए संबद्ध पशु चिकित्सा पॉलिटेक्निक की केन्द्रो पर, 1.7.2018 से शुरू किया जाना है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के 05 पशुचिकित्सा डिपलोमा पॉलीटेकनिक केन्द्र जबलपुर, रीवा, महू, मुरैना एवं भोपाल में आयोजित किये जावेंगें।

कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई), भारत के द्वारा प्रायोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कियानवयन पर डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, माननीय कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये अवगत कराया कि 01 जुलाई 2018 से कृषकों एवं पशुपालकों को डेयरी, कुक्कुट पालन, मत्सय पालन एवं पशुपालन सेगमेंटस के अंर्तगत इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ग्रामीण अंचलों के नवयुवक/नवयुवती, कृषक एवं पशुपालक को रोजगार के अवसर तो प्रदान करेंगें ही साथ ही मध्यप्रदेश के कृषकों एवं पशुपालको की आमदनी में दोगुनी वृद्धि में सहायक सिद्ध होगें जिससे कृषकों एवं पशुपालको का सामाजिक–आर्थिक उत्थान होगा। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा के कुशल निर्देशन एवं डॉ. ए.के.गौर, नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से विश्वविद्यालय के सभी 05 पशु चिकित्सा पॉलिटेक्निक केन्दो पर आयोजित किये जायेगें।